संबंध**-** टूट **(Break- Up) -** मैथिली कविता
अमरनाथ झा “बक्शी”

संबंध- टूट (Break- Up)

बुच्ची दुखी कियै छह**!**

उजरैत संसार।

भयाबह अनुभूति ।

असह्य पीड़ा।

पर तोहर कोन दोख**?**

डरै के नै छै **!**

उबर**s!** एहि आत्मघात सं **!**

जीब**s** एहि सूंदर जीबन के।

बदलैत अनुभबक शृंखला के।

पलटैत दुःख सुखक पलटी के।